



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 58]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 16, 2010/माघ 27, 1931

No. 58]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 16, 2010/MAGHA 27, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2010

प्रारंभिक जाँच परिणाम

विषय : जापान तथा थाईलैंड के मूल के या वहाँ से निर्यातित एसीटोन के आयातों के बारे में पाटनरोधी जाँच।

सं. 14/31/2009-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे नियम कहा गया है) 1995 को ध्यान में रखते हुए :

प्रक्रिया :

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से जापान एवं थाईलैंड के मूल के या वहाँ से निर्यातित एसीटोन (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए मै. हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि., मुंबई से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई, जिसका समर्थन मै. एस आई ग्रुप-इंडिया लि., मुंबई (पूर्ववर्ती सेनेक्टेडी हरदेलिया लि.) द्वारा समर्थन किया गया है।

(ii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जाँच की शुरुआत से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पाटन के आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया।

(iii) प्राधिकारी ने नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित फेनोल की आयातों के बारे में पाटनरोधी जाँच शुरू करते हुए घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर 3 सितम्बर, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

(iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 3-9-2009 की जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, उपलब्ध पतों के अनुसार आयातकों तथा घरेलू उद्योग को भेजीं और उनसे जाँच शुरुआत की अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।

(v) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई।

निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई ।

vi. नियम 6(2) के अनुसार गई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच की शुरुआत के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वह निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पत्तों के साथ संबद्ध देशों के दूतावासों को भी भेजी गई थी ।

vii. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं ।

पी टी टी फेनोल कंपनी लि. (पी टी टी एल) 123, सन टावर्स बिल्डिंग, बी 36 वां तल, विभावड़ी रंगसिट रोड, कॉम्प्लेक्स, मादुराई, बेंगलूर - 10900	यिबा फेनोल कंपनी लि., सियोडोम सिटी सेंटर, 1-5-2, हिगासिसिमिवाशी, जापान
मित्सुबिशी कैमिकल 14-1 टोक्या 108-0014, जापान शिवा 4- चोम, मिनातो-कू,	

viii. उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचसूचना का उत्तर दिया है:

हितबद्ध पक्षकार का नाम	देश
पी टी टी फेनोल कंपनी लि., उत्पादक व निर्यातक	थाईलैंड
मित्सुई एंड कंपनी लि. ("एम बी के") जापान, निर्यातक	जापान
मै. मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर, निर्यातक	सिंगापुर
मित्सुबिशी कैमिकल कार्पो. (एम सी सी)	जापान
सुमितोमो कार्पो. एशिया पी टी ई लि. तथा सुमितोमो कार्पो., निर्यातक	सिंगापुर, जापान
मित्सुई कैमिकल्स, इंक, उत्पादक	जापान

ix. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी । तथापि, संबद्ध वस्तु के किसी आयातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।

मै. नेशनल आर्गेनिक कैमिकल इंड लि. पो.बा. सं. 14, घनसोली पी ओ. थाणे, वेलापुर रोड, मुंबई- 400701, (महाराष्ट्र) भारत	मै. रेनवैकरी लेबोरेटरीज लि. प्लॉट सं. 90, सेक्टर-32, गुडगांव - 122
मै. लैक्सिस इंडिया प्रा.लि. कोलसेत रोड, थाणे मुंबई-400067, भारत	मै. क्रीसेट कैमसोल प्रा.लि. विडसर, दूसरा तल, सी एस टी रोड, कलीना, सांताक्रुज (पूर्व) मुंबई- 400098, भारत

x. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा;

xi. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, (डी जी सी आई एंड एस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया

था;

xii. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत अंतिम रूप से निकाली गई थीं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

xiii. यह जांच 1 अक्टूबर, 2008 से 30 जून, 2009 (9 माह) (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2006-मार्च, 07, अप्रैल 2007-मार्च, 2008, अप्रैल, 2008-मार्च, 2009 की अवधि और जांच अवधि शामिल है।

xiv. \*\*\* यह चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

### विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद "एसीटोन" है।

4. एसीटोन ऐ कार्बनिक रसायन है जिससे डाई मिथाईल कैटोन के नाम से भी जाना जाता है और इसका उपयोग बल्क भेषज, कृषि रसायन, रंजक पदार्थों, कुछेक विस्फोटकों और अनुषंगी रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। एसीटोन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के उप-शीर्ष 29141100 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

5. यह एक मूल कार्बनिक रसायन है जिसका उत्पादन एकल ग्रेड में किया जाता है। यह रंगहीन तरल पदार्थ है। इसका उपयोग सॉल्वेंट या मध्यवर्ती के रूप में अनेक कार्बनिक सिंथेसिस में किया जाता है। एसीटोन का विशिष्ट उपयोग आईसोफोरोन, डाईसीटोन, एल्कोहल, मिथाइल मैथाक्राइलेट तथा बीसासेटोन के विनिर्माण में किया जाता है। इसके अलावा, इसका उपयोग कुछेक रबड़ रसायनों अथवा ऑक्सी ऐसीथाईलीन सेल्यूलोज ऐसीटेज के विनिर्माण में और पेंट/कोटिंग के विनिर्माण में सॉल्वेंट के रूप में किया जाता है। इसे दो रूपों - खुले/बल्क तथा डिब्बा बंद रूप में चिह्नित किया जाता है।

### समान वस्तु

6. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित "एसीटोन" विचाराधीन उत्पाद के समान है और इसलिए इसे इस जांच के प्रयोजनार्थ समान वस्तु माना जा रहा है।

### घरेलू उद्योग का आधार और जांच की शुरुआत

7. यह याचिका मै. हिंदुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि., मुंबई ने दायर की है जिसका मै. एस आई ग्रुप - इंडिया लि., मुंबई (पूर्ववर्ती सेनेक्टेडी हरदेनिया लि.) ने समर्थन किया है। देश में इस उत्पाद का कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं है। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ केवल मै. हिंदुस्तान आर्गेनिक कैमिकल लि. "घरेलू उद्योग" होगा।

**सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन****जापान के लिए सामान्य मूल्य****सहयोगी निर्यातक****मित्सुबिशी कैमिकल कार्पोरेशन**

8. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर देते समय जापान के संबद्ध उत्पादक ने यह बताया कि जापान स्थित कंपनी की बिक्री दिया कैमिकल्स, सैल कैमिकल्स, सुमितोमो कार्पो., क्योवा हैको कैमिकल तथा मित्सुई कैमिकल्स को की जाती है। उत्तर में उन्होंने आगे यह दावा किया है कि ये बिक्रियां या तो सहायक कंपनियों, तिमाही मात्राधारकों, अन्य घरेलू उत्पादकों तथा खुदरा क्रेताओं को की जाती हैं और ये अलग-अलग वाणिज्यिक विचारों पर आधारित होती हैं। सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ यह दावा किया गया है कि ये बिक्रियां वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। आगे यह दावा किया गया है कि जो बिक्रियां घरेलू बाजार में की गई हैं और सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रासंगिक हैं, उन्हें उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा, लागत संबंधी सूचना भी प्रस्तुत नहीं की गई है। उत्तर के अवलोकन से यह पता चलता है कि उन्होंने के ओ बी, कोब के डिलीवरी निबंधनों के अनुसार बी/एल के बाद \*\*\* दिवस की भुगतान शर्तों पर अप्रैल, 2009 के दौरान मै. मित्सुई एंड कंपनी लि. को किए गए एक बिक्री सौदे का ब्यौरा प्रदान किया है और इसके संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिनिधिक घरेलू बिक्री होने का दावा किया है। उन्होंने आगे याचिका प्रस्तुत करते समय घरेलू उद्योग द्वारा अपनाए गए सामान्य मूल्य के परिकलन की प्रौद्योगिकी का विरोध किया है और यह प्रश्न उठाया है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध प्रतिवादी निर्यातक के बारे में सामान्य मूल्य प्राप्त करने का पर्याप्त प्रयास नहीं किया है।

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बिक्री से संबंधित सूचना सहित समस्त सूचना प्रदान करने का दायित्व प्रतिवादी निर्यातक का है और प्राधिकारी के लिए यह निर्धारित करना होता है कि क्या सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु ये बिक्रियां तर्कसंगत और उचित हैं। प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक का यह दावा कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु ये बिक्रियां संगत नहीं हैं जबकि कुछ अन्य संगत हैं, उनके अंकित मूल्य के अनुसार स्वीकार नहीं किया जा सकता। अप्रैल, 2009 के दौरान मै. मित्सुई एंड कंपनी लि. को किए गए एक सौदे के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि सौदे की डिलीवरी और भुगतान की शर्तों से स्पष्टतः यह पता चलता है कि उक्त सौदा निर्यात सौदे का ही है।

10. उपर्युक्त कारकों पर विचार करते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि उक्त प्रतिवादी निर्यातक अनंतिम निर्धारण हेतु असहयोगी है। तथापि, यदि उक्त प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद संबंधित सूचना प्रस्तुत करना चाहेगा तो प्राधिकारी उसकी प्राप्ति के बाद इस दृष्टि से उस पर विचार करेंगे कि क्या अंतिम निर्धारण में उस पर विचार किया जाए।

**मित्सुई कैमिकल्स इंक., जापान**

11. प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रतिवादी निर्यातक ने अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री के सौदेवार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। जहां तक उत्तर में उनके द्वारा दावा किए गए सामान्य मूल्य का संबंध है, उसके संबंध में \*\*\* अम.डा. प्रति मी.ट. का दावा किया गया है। लेकिन इसकी गणना संबद्ध और असंबद्ध क्रेताओं को की गई बिक्री को ध्यान में रखने के बाद की गई है। इस प्रकार से प्रदत्त सूचना पर व्यवहार्य सीमा तक प्रतिवादी निर्यातक के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भरोसा किया गया है। इस बात पर विचार करते हुए कि बिक्री कीमत में तिमाही दर

तिमाही भारी परिवर्तन हुआ है, सामान्य मूल्य की गणना प्रत्येक तिमाही के लिए अलग-अलग की गई है। तथापि, इस बात पर विचार करते हुए कि बिक्री कीमत में तिमाही दर तिमाही भारी परिवर्तन हुआ है, अनंतिम निर्धारण हेतु सामान्य मूल्य की गणना घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर प्रत्येक तिमाही के लिए अलग-अलग की गई है ताकि उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए त्रैमासिक तुलना के आधार पर पाटन के प्रभाव का आकलन किया जा सके। इसके अलावा, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि भारत को की गई निर्यात बिक्रियां जांच अवधि की तीनों तिमाहियों में की गई हैं। संबद्ध उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य की गणना अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है जो परवर्ती सत्यापन के अधीन है।

### असहयोगी निर्यातक

12. जांच अवधि के दौरान निविष्टियों की कीमत में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य की गणना प्रतिवादी निर्यातक मै. मित्सुई कैमिकल इंक. के लिए अपनाए गए त्रैमासिक सामान्य मूल्य के आधार पर की गई है जिसे जापान के सभी अन्य निर्यातकों के लिए अपनाया गया है।

### थाईलैंड

#### थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य

#### सहयोगी निर्यातक

#### पी टी टी फेनोल कंपनी लि. उत्पादन तथा निर्यातक

13. प्राधिकारी को प्रस्तुत उत्तर के अनुसार प्रतिवादी निर्यातक ने सामान्य मूल्य का रूप में \*\*\* अम.डॉ. प्रति मी.ट. का दावा किया है। उत्तर के अवलोकन से यह पता चलता है कि घरेलू बाजार में लाभदायक बिक्रियों की सूचना अप्रैल, 09-जून, 09 के लिए दी गई है। तथापि, इन बिक्रियों में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 2 (i) में उल्लिखित प्रतिनिधिक मूल्य से कम कीमत शामिल है। जांच अवधि की दो अन्य तिमाहियों के संबंध में बिक्रियां घाटे वाली और सामान्य मूल्य से कम दर्शायी गई हैं। अतः सामान्य मूल्य की गणना उत्तर में प्रदत्त उत्पादन लागत जमा उचित लाभ मार्जिन के आधार पर की गई है। सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त कार्य प्रणाली के अनुसार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है।

### असहयोगी निर्यातक

14. जांच अवधि के दौरान निविष्टियों की कीमत में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य की गणना प्रतिवादी निर्यातक मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड के लिए अपनाए गए त्रैमासिक सामान्य मूल्य के आधार पर की गई है जिसे थाईलैंड के सभी अन्य निर्यातकों के लिए अपनाया गया है।

### निर्यात कीमत

#### जापान के प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

#### मित्सुई कैमिकल इंक., जापान

15. मै. मित्सुई कैमिकल इंक., जापान (एम सी आई) द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान ("एम बी के") तथा सुमितोमो कार्पो. ("एस सी") के जरिए किया जाता है।

16. प्राधिकारी को प्रस्तुत उत्तर के अनुसार संबद्ध उत्पादक/निर्यातक ने जापान में संबद्ध एवं असंबद्ध व्यापारियों को की गई बिक्री के संबंध में निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा. प्रति मी.ट. होने का दावा किया है। उनकी व्यापारिक कंपनी मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पीटी ई लि., सिंगापुर द्वारा की गई बिक्री के संबंध में निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा. प्रति मी.ट. होने का दावा किया है। यह देखा गया है कि एम सी आई द्वारा अपने उत्पादों की बिक्री घरेलू बीजक पर एम बी के तथा एस सी को की जाती है जबकि एम बी के तथा एस सी द्वारा अपनी सहायक कंपनियों के जरिए भारत को निर्यात किया जाता है। मित्सुई कैमिकल्स इंक, जापान द्वारा मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान (एम बी के) को एफ ओ बी आधार पर बिक्री की जाती है जो मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर (एम ए पी) के लिए सी एफ आर या सी आई एफ के आधार पर संभार तंत्र तथा बिक्री का प्रबंध करता है। बाद में एम ए पी भारतीय ग्राहक को बिक्री करता है। भारत के लिए भारत औसत निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यातक के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, निकासी एवं हैंडलिंग प्रभारों, बैंक एवं ऋण प्रभारों तथा कमीशन हेतु समायोजन किए गए हैं। तदनुसार आगे पैरा 18 में दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार सुमितोमो को की गई बिक्रियों को छोड़कर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :-

उत्पादक	निर्यातक	निर्यातित मात्रा (मी.ट.)	निवल निर्यात कीमत (अम.डॉ./मी.ट.)
मै. मित्सुई कैमिकल्स इंक, जापान (एम सी आई)	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***

17. मै. सुमितोमो कार्पो., जापान द्वारा सामग्री की खरीद मै. मित्सुई कैमिकल्स इंक., जापान तथा मै. मित्सुबिसी कैमिकल्स कार्पो., जापान से की जाती है और उसकी बिक्री मै. सुमितोमो कार्पो. एशिया पी टी ई लि., सिंगापुर को की जाती है। अपने उत्तर में मै. सुमितोमो कार्पो. एशिया पी टी ई लि., सिंगापुर ने यह बताया है कि उसने मै. मित्सुई कैमिकल्स इंक. जापान की ओर से उत्पादित \*\*\* मी.ट. की बिक्री मै. पैट्रोकेम मिडल ईस्ट एफ जैड ई, यू ए ई के जरिए भारत को की है। मै. पैट्रोकेम मिडल ईस्ट एफ जैड ई, यू ए ई ने भारत को निर्यातित वस्तु के बारे में अलग से कोई उत्तर दायर नहीं किया है। अतः मै. पैट्रोकेम मिडल ईस्ट एफ जैड ई, यू ए ई द्वारा भारत को जिस कीमत पर संबद्ध वस्तु का निर्यात किया गया है उस कीमत के बारे में प्राधिकारी को नहीं बताया गया है। उपर्युक्त तथ्यों के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि अंतिम निर्धारण हेतु मै. पैट्रोकेम मिडल ईस्ट एफ जैड ई, यू ए ई के लिए पृथक निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता। तथापि, यदि उक्त प्रतिवादी निर्यातक प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद संबंधित सूचना प्रस्तुत करना चाहता है तो प्राधिकारी उसकी प्राप्ति के बाद अंतिम निर्धारण हेतु उस पर विचार करने के बारे में सोच सकता है। इसी प्रकार मै. मित्सुबिसी कैमिकल्स कार्पो., जापान द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद के सुमितोमो कार्पो. एशिया पी टी ई लि., द्वारा भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण मै. मित्सुबिसी कैमिकल्स कार्पो., जापान के संबंध में सामान्य मूल्य उपलब्ध न होने के कारण नहीं किया जा सकता, जैसा कि उपर्युक्त पैरा 8 से 10 में स्पष्ट किया गया है।

**जापान से असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

18. निर्यातकों की इस श्रेणी के लिए कारखाना निर्यात कीमत की गणना हेतु जापान के प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक द्वारा सूचित न्यूनतम निर्यात कीमत पर भरोसा किया गया है । कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए सहयोगी निर्यातकों के संबंध में अनुमत समायोजनों के समतुल्य समुद्री भाड़े, निकासी एवं हैंडलिंग प्रभारों, बैंक/ऋण प्रभारों तथा कमीशन के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है। उपर्युक्त पद्धति के अनुसार कारखाना निर्यात कीमत की गणना \*\*\* अम. डॉ./मी.ट. के रूप में की गई है ।

**थाईलैंड से प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत****पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड**

19. मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड के उत्तर के अनुसार उन्होंने \*\*\* अम.डॉ./मी.ट. की निर्यात कीमत का दावा किया है । यह देखा गया है कि उन्होंने इस एन ई पी का दावा सेमसंग कंपनी लि., पी टी टी पब्लिक कंपनी लि. तथा मित्सुई एंड कंपनी लि., जो भारत से बाहर स्थित हैं और भारत में स्थित आयातक कुन्दन राइस मिल्स को की गई बिक्री के आधार पर किया है । तथापि, मै. सेमसंग कंपनी ने जांच शुरुआत का उत्तर नहीं दिया है और भारत के लिए उनकी अंतिम निर्यात कीमत उपलब्ध नहीं है । जहां तक मित्सुई एंड कंपनी का संबंध है, उन्होंने जांच शुरुआत का उत्तर दिया है और इस असंबद्ध कंपनी के जरिए किए गए निर्यातों के संबंध में निर्यात कीमत भारत के लिए अंतिम निर्यात कीमत के आधार पर निकाली गई है । पी टी टी द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात सीधे और अपनी सहायक कंपनी मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड के जरिए किया जा रहा है । चूंकि निर्यातक प्रत्यक्ष निर्यातों और अपनी सहायक कंपनियों के जरिए किए गए निर्यातों के बीच आसानी से समायोजित हो सकता है, इसलिए प्राधिकारी ने अनंतिम निर्धारण हेतु मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड द्वारा सीधे अथवा अपनी सहायक कंपनी मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड के जरिए किए गए निर्यातों के लिए एक ही निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन निर्धारित किया है जो जरूरत के अनुसार समीक्षा के अधीन है । मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि. ने मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान (एम बी के) के जरिए भी संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है । एम बी के ने बाद में इसकी बिक्री मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि. सिंगापुर (एम ए पी) को की है और एम ए पी ने अंततः संबद्ध वस्तु का निर्यात भारत को किया है और इसीलिए अनंतिम निर्धारण हेतु इस संयोजन हेतु पृथक एन ई पी का निर्धारण किया गया है जो अपेक्षानुसार परवर्ती सत्यापन और संशोधन के अधीन है ।

20. भारत के लिए भारित औसत निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु समुद्री भाड़े, निकासी एवं हैंडलिंग प्रभारों, बैंक/ऋण प्रभारों तथा कमीशन के संबंध में निर्यातक के दावे के अनुसार समायोजन किए गए हैं जो सत्यापन के अधीन हैं । तदनुसार निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार निर्धारित की गई है:

उत्पादक	निर्यातक	निर्याति मात्रा (मी.ट.)	निवल निर्यात कीमत (अम.डॉ./मी.ट.)
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड / मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***

### थाईलैंड से असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

21. थाईलैंड के प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक के लिए कारखाना निर्यात कीमत की गणना हेतु सूचित की गई न्यूनतम निर्यात कीमत पर भरोसा किया गया है। कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए सहयोगी निर्यातकों के संबंध में अनुमत समायोजनों के समतुल्य समुद्री भाड़े, निकासी एवं हैंडलिंग प्रभारों, बैंक/ऋण प्रभारों तथा कमीशन के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है। उपर्युक्त पद्धति के अनुसार कारखाना निर्यात कीमत की गणना \*\*\* अम. डॉ./मी.ट. के रूप में की गई है।

### पाटन मार्जिन

22. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर संबद्ध देशों के निर्यातों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है:

अम. डॉ./मी.ट.

उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन (%)
मै. मित्सुई कैमिकल इंक., जापान (एम सी आई)	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	45-50%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	75-80%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड / मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	15-20%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	3-8%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	35-40%

23. अनंतिम रूप से इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक और न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।

### क्षति निर्धारण और कारणात्मक संबंध की जांच हेतु कार्य प्रणाली

#### घरेलू उद्योग के विचार

24. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं: -

(क) घरेलू उद्योग की बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में काफी अधिक 22% की गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री की तुलना में आयात की मात्रा में समग्र वृद्धि हुई है। आयात की मात्रा में वृद्धि पाटित कीमतों पर सामग्री की उपलब्धता के कारण हुई है जिसकी वजह से



घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई है ।

(ख) लाभ :- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है । यद्यपि, घरेलू उद्योग ने अपने बाजार को बनाए रखने का प्रयास किया तथापि, उसका प्रभाव लाभ के संबंध में अत्यंत प्रतिकूल रहा । लाभ की स्थिति अत्यंत खराब होकर वित्तीय घाटे की स्थिति में पहुंच गई । जांच अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट इसलिए अधिक रही क्योंकि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति उत्पादन लागत से कम रही है ।

(ग) लाभप्रदता :- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है । पाटन का प्रभाव इतना अधिक रहा कि घरेलू उद्योग उत्पादन में कटौती करने के लिए बाध्य हो गया ।

(घ) लगाई गई पूंजी पर आय :- घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट आई जो सकारात्मक आय की स्थिति से ऋणात्मक आय की स्थिति में पहुंच गया । लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट लाभ में गिरावट के परिणामस्वरूप आई ।

(ङ) घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में इस तथ्य के बावजूद गिरावट आई कि घरेलू उद्योग ने ईष्टतम से कम कीमत का प्रस्ताव करने का निर्णय लिया ।

(च) माल सूची :- घरेलू उद्योग की माल सूची के स्तर में वृद्धि हुई । मालसूची में वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कम कीमत के बावजूद हुई है ।

(छ) वेतन एवं मजदूरी :- उत्पादन के कम स्तर के कारण घरेलू उद्योग के वेतन एवं मजदूरी के स्तर में गिरावट आई ।

(ज) नकद लाभ :- घरेलू उद्योग के लाभ में आए ह्रास की वजह से घरेलू उद्योग के नकद लाभ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा जिससे नकद प्रवाह पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा ।

(झ) मांग एवं बाजार हिस्सा :- जहां आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई, वहीं घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई ।

(ञ) वृद्धि :- कई मापदंडों में घरेलू उद्योग की वृद्धि में ऋणात्मक प्रवृत्ति का पता चलता है ।

(ट) घरेलू उद्योगों को वास्तविक क्षति हुई है । विदेशी उत्पादकों के पास अतिरिक्त क्षमता के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा में वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग को बिक्री में हानि के कारण घाटा हुआ और उसने बाजार हिस्सा गंवाया । इसकी वजह से प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पड़ा । बिक्री गंवाए जाने के कारण घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करने के लिए अपनी घरेलू बिक्री कीमत कम करने के लिए बाध्य हुआ जिसके परिणामस्वरूप कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा । परिणामतः घरेलू उद्योग को प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव और प्रतिकूल कीमत प्रभाव का सामना करना पड़ा जिसकी वजह निर्यातक देशों के अनुचित व्यापार व्यवहार रही है ।

(ठ) कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है । समान कीमतों की पेशकश करने के बावजूद घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कीमत में सकारात्मक अंतर रहा है ।

### प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के विचार

25. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड और मै. मित्सुई एंड कंपनी, जापान तथा मै. मित्सुई एंड कंपनी पी टी ई लि., सिंगापुर के विचारों का प्रतिनिधित्व करते हुए ई एल पी ने निम्नानुसार अनुरोध किया है :

क. याचिका में प्रस्तुत साक्ष्य से यह पता नहीं चलता है कि कोई वास्तविक क्षति हुई है और इस प्रकार जांच की शुरुआत का कोई आधार नहीं है ।

ख. क्षति का विश्लेषण केवल वर्ष 2005-06 से 2008-09 तक के लिए किया जा सकता है न कि जून, 2009 की संशोधित अवधि के लिए याचिकाकर्ता ने 6 माह की अवधि ली है और तत्पश्चात उसे विश्लेषण को विकृत करने के लिए वार्षिकीकृत किया है और इस प्रकार सही स्थिति को धुंधला दिया है ।

ग. याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त क्षति के आंकड़े केवल एच ओ सी एल के लिए हैं न कि समर्थक के लिए । आधार वर्ष तथा पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में अधिकांश क्षति मापदंडों से सकारात्मक प्रवृत्ति का पता चलता है ।

घ. भारतीय विनिर्माता घरेलू बाजार की मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं जिससे एक विकल्प बचता है और वह है संबद्ध वस्तु का आयात ।

ङ यह उल्लेखनीय है कि साक्ष्य के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भी कोरिया जापान तथा थाईलैंड की अपेक्षा घरेलू उद्योग के लिए एक बड़ा खतरा है ।

च. पाटित आयातों से इतर ऐसे कई कारक हैं जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जिनका विश्लेषण जरूरी है ।

छ. याचिकाकर्ता पाटन और क्षति के बीच संबंध स्थापित करने में असमर्थ रहा है ।

26. मित्सुबिसी कैमिक कार्पो. का प्रतिनिधित्व करते हुए मै. जे सागर एंड एसोसिएट्स ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

क. क्षति मापदंडों के विश्लेषण से घरेलू उद्योग को हुई किसी खास क्षति का पता नहीं चलता है । इसके अलावा, इन सभी मापदंडों की जांच इस बात के मद्देनजर की जानी चाहिए कि याचिकाकर्ता बहु उत्पाद, बहु स्थानीय और बहु प्रभागीय कंपनी है ।

ख. समर्थक के साथ घरेलू उद्योग भारत की मांग को पूरा करने में समर्थ नहीं है ।

ग. घरेलू उद्योग को वर्ष 2003-04 में बी आई एफ आर के अंतर्गत रूग्ण कंपनी घोषित किया गया था । तत्पश्चात उसने भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त की है । क्षति का निर्धारण करते समय इस तथ्य पर भी विचार करना जरूरी है ।

घ. निर्यातक ने आगे यह बताया है कि मांग एवं आपूर्ति में अचानक भारी संतुलन आ जाने के कारण फेनोल की कीमत में भारी गिरावट आई और कच्ची सामग्री की कीमत अत्यधिक घट गई। कीमत में यह गिरावट विश्वव्यापी मंदी के कारण न केवल भारत में हुई अपितु, समूचे विश्व में हुई।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

27. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योगों को हुई क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योगों को हुई क्षति का निम्नानुसार विश्लेषण किया है : इसके अलावा, प्राधिकारी ने समर्थक से आंकड़े मांगे थे, लेकिन उन्हें प्रदान नहीं किया गया था। जहां तक क्षति विश्लेषण का संबंध है, जांच अवधि का नियतन प्राधिकारी ने किया है और इसलिए जांच अवधि के लिए क्षति के विश्लेषण पर विचार करना होगा।

### क्षति का संचयी निर्धारण

28. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II पैरा (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक है, और
- (ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

29. प्राधिकारी ने यह पाया है कि :

- प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन ऊपर निर्धारित सीमा से अधिक है;
- आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह निम्नलिखित से स्पष्ट हो जाता है:

क. संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा परस्पर विनिर्मित संबद्ध वस्तु में और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद में तुलनीय गुण-धर्म हैं। दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति संबद्ध वस्तु परस्पर समान वस्तुएं हैं।

ख. प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से यह तर्कसम्मत संकेत मिलता है कि ऐसे सामान्य पक्षकार हैं जो विभिन्न स्रोतों से आयातित सामग्री और घरेलू सामग्री का उपयोग कर रहे हैं। अतः आयातित और घरेलू सामग्री का उपयोग अदल-बदल कर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है।

ग. प्रत्येक संबद्ध देश से हुए आयात की मात्रा काफी अधिक है।

घ. उपभोक्ता विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित कीमतों के आधार पर खरीद का निर्णय लेते हैं।

30. संश्लेषण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के मद्देनजर घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर थाईलैंड और जापान से हुए वस्तु परतु के आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

31. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के उपबन्ध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव ; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों के कारण रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तथ्य प्रमाणों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कायम हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में अकांक्षित आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

32. औद्योगिक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निर्यात पर आय या इनका उपयोग, स्वभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले अन्य सभी प्राकृतिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, मजदूरी प्रवाह पर वृद्धि, मजदूरी पर संचयी नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता, मजदूरी पर प्रभाव डालने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

#### पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

33. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस में संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदेवार ब्यौरे एकत्र किए। प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यातों की मात्रा का मिलान इस अवधि के दौरान हुए आयातों की मात्रा के साथ भी किया है। थाईलैंड और जापान के प्रतिवादी निर्यातकों ने डी जी सी आई एंड एस तथा आई बी आई एस आंकड़ा स्रोत जिस पर याचिकाकर्ता ने भरोसा किया है, की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयात की कम मात्रा सूचित की है। इसके अलावा, डी जी सी आई एंड एस आंकड़ा स्रोत में सूचित आयात आई बी आई एस आंकड़ा स्रोत में सूचित आयात से तुलनीय है। अतः मात्रात्मक विश्लेषण डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के आधार पर निम्नानुसार किया गया है।

#### आयातों का औसत संबंधित उत्पाद

वर्ष	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9एम)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
2007-08	07	08	09	

जापान	मी.ट.	0	0	8398.96	9610	12,813
थाईलैंड	मी.ट.	0	0	1913.82	5834.82	7,780
संबद्ध देश	मी.ट.	0	0	10,313	15,445	20,593
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	0	0	100	200	200
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	54,632	63,441	56,402	38,759	51,679
अन्य देश	मी.ट.	5,194	1,585	1,649	3,888	5,184
कुल आयात	मी.ट.	59,826	65,026	68,364	58,093	77,457
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	114	129	129

आयातों में बाजार हिस्सा	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9एम)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
जापान	%	शून्य	शून्य	12.29%	16.54%	16.54%
थाईलैंड	%	शून्य	शून्य	2.80%	10.04%	10.04%
संबद्ध देश	%	शून्य	शून्य	15.09%	26.59%	26.59%
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	91.32%	97.56%	82.50%	66.72%	66.72%
अन्य देश	%	8.68%	2.44%	2.41%	6.69%	6.69%
कुल आयात	%	100%	100%	100%	100%	100%
घ. उ. का उत्पादन	मी.ट.	25,463	26,137	26,544	15,385	20,513
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	0	0	10313	15445	20593
भारतीय उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात	%	Nil	Nil	38.85%	100.39%	100.39%

34. मात्रात्मक विश्लेषण हेतु याचिकाकर्ता और समर्थक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों पर विचार किया गया है। तथापि, क्षति निर्धारण हेतु केवल याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर विचार किया गया है। इस संदर्भ में प्राधिकारी ने समर्थक से आंकड़े मांगे परंतु प्राधिकारी को प्रदान नहीं किए गए थे। उपर्युक्त तालिका में प्रदर्शित आंकड़ों के अनुसार:

क.संबद्ध देशों से संचयी आयातों में समग्र रूप में और भारत में आयातों की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

ख.आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयातों में भारत में उत्पादन तथा खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयातों में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। आधार वर्ष में भारतीय उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयात शून्य थे जो जांच अवधि में प्रतिशत के रूप में अत्यधिक बढ़कर 100.39% हो गए।

#### मांग, उत्पादन एवं बाजार हिस्सा

मांग, उत्पादन एवं बाजार हिस्सा	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि	जांच अवधि
--------------------------------	------	---------	---------	---------	-----------	-----------

					(9 माह)	
घरेलू उद्योग	मी.ट.	25,065	26,615	26,007	14,635	19,513
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	104	78	78
समर्थक	मी.ट.	12,105	12,235	14,542	11,236	14,981
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	120	124	124
आयात-संबद्ध देश	मी.ट.	0	0	10313	15445	20,593
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	54,632	63,441	56,402	38,759	51,679
अन्य देश	मी.ट.	5,194	1,585	1,649	3,888	5,184
कुल मांग	मी.ट.	96,996	103,876	108,913	83,963	111,951
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	112	115	115
मांग में बाजार हिस्सा						
घरेलू उद्योग	%	25.84%	25.62%	23.88%	17.43%	17.43%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	92	67	67
समर्थक	%	12.48%	11.78%	13.35%	13.38%	13.38%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	107	107	107
संबद्ध देश	%	0.00%	0.00%	9.47%	18.39%	18.39%
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	56.32%	61.07%	51.79%	46.16%	46.16%
अन्य देश	%	5.35%	1.53%	1.51%	4.63%	4.63%
कुल	%	100%	100%	100%	100%	100%

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. संबद्ध वस्तु की मांग का निर्धारण घरेलू बिक्री और सभी देशों से हुए समस्त आयातों को जोड़कर किया गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई थी । आधार वर्ष अर्थात् 2006-07 की तुलना में जांच अवधि में इसमें 15% की वृद्धि हुई ।

ख. क्षति अवधि के दौरा संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई । घरेलू उद्योग का हिस्सा जो 2006-07 में 100 (सूचीबद्ध) था, जांच अवधि में घटकर 67 (सूचीबद्ध) हो गया । इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा जो 2006-07 में शुन्य था, जांच अवधि में बढ़कर 18.39% हो गया । यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों ने मांग में वृद्धि का एक बड़ा भाग हड़प लिया है ।

#### घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि(वार्षिकीकृत)
--	------	---------	---------	---------	----------------------	---------------------------

स्थापित क्षमता	मी.ट.	24,640	24,640	24,640	18480	24,640
उत्पादन	मी.ट.	25,463	26,137	26,544	15,385	20,513
क्षमता उपयोग	%	103%	106%	108%	83%	83%

36. क्षति अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के बारे में घरेलू उद्योग के आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता 24640 मी.ट. पर अपरिवर्तित बनी रही। संबद्ध वस्तु का उत्पादन जिसमें 2008-09 तक वृद्धि हो रही थी, उसमें जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई। परिणामतः घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग जो 2006-07 में 103% था, वर्ष 2008-09 में बढ़कर 108% हो गया और तत्पश्चात अत्यधिक घटकर 83% रह गया।

### घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा

45	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री	मी.ट.	25,06	26,615	26,007	14,635	19,513
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	104	78	78

37. घरेलू उद्योग की बिक्री से संबंधित उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान बिक्री में गिरावट आधार वर्ष की तुलना में 22% रही और पूर्ववर्ती वर्ष 2008-09 की तुलना में यह 26% रही।

### घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

38. जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में उस मात्रा तक अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक बढ़ गई होती।

39. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

### पाटित आयातों का कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव :

40. उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य के संदर्भ में पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव की जांच भी की गई है।

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि(9 माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	135	132	132

बिक्री कीमत	रू./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	120	107	107

41. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि आधार वर्ष की तुलना में बिक्री लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप नहीं हुई है। प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री लागत में 32% की वृद्धि हुई जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में केवल 7% की वृद्धि हुई जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग बिक्री लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत प्राप्त नहीं कर सका जिससे कीमत में अत्यधिक ह्रास हुआ। यदि इस स्थिति की तुलना वर्ष 2007-08 में रही प्रवृत्तियों के साथ आधार वर्ष 2006-07 से की जाए, जब घरेलू उद्योग बिक्री लागत की तुलना में अधिक प्राप्ति कर रहा था, तो अत्यधिक प्रतिकूल स्थिति का पता चलता है। परंतु, यह स्थिति 2008-09 और जांच अवधि में बदल गई जब बिक्री प्राप्ति बिक्री लागत से भी कम हो गई।

#### कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

##### कीमत कटौती

उत्पादक	निर्यातक	घरेलू उद्योग की नि.वि.प्रा. (रू./मी.ट.)	पहुंच मूल्य (रू./मी.ट.)	कीमत कटौती (रू./मी.ट.)	कीमत कटौती (%)
मै. मित्सुई कैमिकल इंक., जापान (एम सी आई)	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	15-20%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	35-40%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड / मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	25-30%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	10-15%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	40-45%

42. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की गणना करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन तथा के. उ. शु. की कटौती की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क को प्रत्येक प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार संबद्ध देशों से निर्यात/सी आई एफ कीमत में जोड़ने के बाद की गई है। अन्य श्रेणियों के लिए अवशिष्ट श्रेणी हेतु पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए विचारित निर्यात सौदे को पहुंच मूल्य के निर्धारण हेतु ध्यान में रखा गया है।



43. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है ।

कम कीमत पर बिक्री

उत्पादक	निर्यातक	घ. उ. की क्षति रहित कीमत (रु./मी.ट.)	पहुंच मूल्य (रु./मी.ट.)	कम कीमत पर बिक्री (रु./मी.ट.)	कम कीमत पर बिक्री (%)
मै. मित्सुई कैमिकल इंक., जापान (एम सी आई )	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	10-15%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	20-25%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड / मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	15-20%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	5-10%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	25-30%

44. कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों की की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है । जिससे यह पता चलता है कि काफी कम कीमत पर बिक्री की गई थी ।

#### घरेलू उद्योग के अन्य आर्थिक मापदंडों की जांच

45. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों, आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बिक्री तथा विभिन्न क्षेत्रों के बाजार हिस्सों के साथ मांग की पद्धति की पूर्ववर्ती खंड में जांच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदंडों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है:-

#### लाभ एवं नकद प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित प्रवाह

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि(9 माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	135	132	132

बिक्री कीमत (एन एस आर)	रू./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	120	107	107
लाभ/हानि	रू./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	43	-19	-19
कर पूर्व लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	45	-15	-15
पी बी आई टी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	51	-6	-6
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	45	-14	-14

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है । वर्ष 2006-07 की तुलना में 2007-08 के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है । तत्पश्चात कंपनी की वित्तीय स्थिति खराब हो गई और उसमें लाभ में 2007-08 तथा 2008-09 के दौरान भारी गिरावट आई और जांच अवधि के दौरान वित्तीय घाटा हुआ । ब्याज एवं कर पूर्व घरेलू बिक्री पर घरेलू उद्योग के लाभ (पी बी आई टी) तथा नकद लाभ में भी यही प्रवृत्ति रही है ।

#### निवेश पर आय तथा पूंजी जुटाने की क्षमता

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि(9 माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
पी बी आई टी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	51	-6	-6
निवल नियत परिसंपत्ति	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100	100
कार्यशील पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	137	106	106
लगाई गई पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	126	104	104
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	40	-6	-6

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी पर अर्जित आय की प्रवृत्ति वही रह है जैसी कि लाभप्रदता की रही है ।

**लाभप्रदता**

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि(9 माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	144	104	104

48. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में 4% की गिरावट आई परंतु पूर्ववर्ती वर्ष 2008-09 के संबंध में जांच अवधि में यह गिरावट काफी अधिक रही है ।

**रोजगार एवं मजदूरी**

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि(9 माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
रोजगार (कर्मचारियों की संख्या)	सं.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	72	78	78
मजदूरी	लाख रूपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	133	128	128

49. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान रोजगार के स्तर में 22% की गिरावट आई । आधार वर्ष की तुलना में मजदूरी में 28% की वृद्धि हुई ।

**मालसूची**

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि(9 माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
अथ स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***	***
इति टॉक	मी.ट.	***	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***	***
बिक्री दिवसों की संख्या के संबंध में औसत स्टॉक	नग	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	86	286	286

50. उपर्युक्त तालिका में संबद्ध वस्तु की मालसूची के स्तर से संबंधित सूचना निहित है । यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध वस्तु की मालसूची के स्तर में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

## **वृद्धि**

51. उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में वृद्धि वर्ष 2008-09 तक सकारात्मक रही तथा वर्ष 2007-08 तक घरेलू बिक्री में स्थिति सकारात्मक रही । तथापि, जांच अवधि के दौरान इसमें भारी गिरावट आई और यह आधार वर्ष के स्तर से भी कम हो गई । आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक मांग में सकारात्मक वृद्धि होने के बावजूद उत्पादन एवं घरेलू बिक्री में घरेलू उद्योग की ऋणात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है । निवेश पर आय एवं नकद लाभ के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में भी गिरावट आई है । यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान बिक्री लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री कीमत नहीं बढ़ा सका, जिससे कीमत पर अत्यंत ह्रासकारी प्रभाव पड़ा । इसके अलावा, संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है । कम कीमत पर बिक्री भी काफी अधिक रही है ।

## **निवेश**

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तु की क्षमता में परिवर्तन नहीं किया था । जांच अवधि में घरेलू उद्योग ने कोई नया निवेश नहीं किया है । प्राधिकारी की जानकारी में आगे और निवेश करने की किसी योजना का कोई साक्ष्य नहीं लाया गया है ।

## **पाटन की मात्रा**

53. जिस सीमा तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, उस सीमा तक एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देश के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है ।

## **कीमत को प्रभावित करने वाले कारक**

54. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यह देखा जा चुका है कि आयातों के कारण घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है । घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत एवं बिक्री कीमत की तुलना से यह पता चलता है कि आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में भी ह्रास हो रहा है । यह भी देखा गया था कि जांच अवधि में प्रति मी.ट पहुंच मूल्य फेनोल की निवल बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत दोनों से कम रही थी, जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई थी । आयातित उत्पाद की कीमत तथा घरेलू उद्योग की कीमत के बीच अंतर होने के परिणामस्वरूप आयातों ने संबद्ध वस्तु की भारतीय मांग में वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा हड़प लिया है ।

## **क्षति के संबंध में निष्कर्ष**

55. क्षति के उपर्युक्त मापदंडों की जांच से यह पता चलता है कि मांग में समग्र वृद्धि होने के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री, दोनों में गिरावट आई । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध वस्तु की मांग में 15% की वृद्धि हुई ।

इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में 22% की वृद्धि हुई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग बाजार में मांग में वृद्धि का लाभ नहीं उठा सका। बिक्री लागत में 32% की वृद्धि हुई जबकि बिक्री मूल्य में केवल 7% की। परिणामतः उसे वित्तीय घाटा (पी बी आई टी) हुआ। आधार वर्ष में वह लाभ कमा रहा था और यह लाभ आधार वर्ष में सूचीबद्ध 100 था, जो जांच अवधि में सूचीबद्ध (-6) में तब्दील हो गया और निवेश पर आय आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से घटकर (-6) (सूचीबद्ध) हो गई। अतः आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में भारी गिरावट आई।

56. उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से स्पष्टतः यह पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है और पाटित आयातों के प्रभाव से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में ह्रास हुआ है। उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुपात में कीमत में बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में भारी कटौती हुई है और ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, घरेलू उद्योग के निष्पादन में आधार वर्ष से बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, नकद लाभ एवं निवेश पर आय के संबंध में गिरावट आई है। आयातों से घरेलू कीमत प्रभावित हो रही है। यह भी नोट किया जाता है कि मांग में वृद्धि के परिणामस्वरूप उत्पादन, बिक्री तथा लाभ एवं लगाई गई पूंजी पर आय में सुधार होना चाहिए था। लेकिन, इसके बजाए इनमें भारी गिरावट आई जिससे घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का पता चलता है जैसा कि आधार वर्ष की प्रवृत्ति से देखा जा सकता है।

57. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, कीमत, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ को प्रभावित करने वाले कारकों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है जिनसे सामूहिक और संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

### कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

58. वास्तविक क्षति की मौजूदगी, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों की जांच उसकी कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत ह्रासकारी एवं कीमत न्यूनकारी प्रभावों के संबंध में संपन्न करने के उपरांत भारतीय नियमावली एवं पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। जो कारक इस संबंध में संगत हो सकते हैं उनमें अन्य के साथ-साथ शामिल हैं - पाटित कीमत पर न बेचे गए आयात की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता। इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। यह नोट किया गया था कि :

i) पाटित कीमतों पर अबिक्रीत आयातों की मात्रा एवं कीमत

जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर देशों से हुए आयात नगण्य और/अथवा अपाटित कीमतों पर हुए हैं। अतः इन अन्य देशों से हुए आयातों का घरेलू बाजार में कीमतों पर प्रभाव नहीं पड़ा है।

ii) मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का देश में मांग की कमी से कोई लेना देना नहीं है। खपत एवं मांग से संबंधित आंकड़ों से उत्पाद की खपत की पद्धति में किसी परिवर्तन का पता नहीं चलता है और यह घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाला कारक नहीं है।

iii) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

60. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है। आवेदक संबद्ध वस्तु का एक बड़ा उत्पादक है और उसका घरेलू उत्पादन तथा बिक्री में काफी अधिक हिस्सा है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी की जानकारी में प्रतिस्पर्धा की स्थितियों या व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों का कोई साक्ष्य नहीं लाया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहां संबद्ध देशों से हुए पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और आयातित उत्पाद की बिक्री घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के रूप में समान अनुप्रयोगों/अनंतिम उपयोगों की पूर्ति हेतु की जाती है।

iv) प्रौद्योगिकी विकास

याचिकाकर्ता के रिकॉर्डों की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कोई संगत कारक नहीं रहा है।

v) निर्यात निष्पादन

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का कोई निर्यात नहीं हुआ है अतः विभिन्न आर्थिक संकेतकों के संबंध में निष्पादन का निर्धारण केवल घरेलू बिक्री के बारे में किया गया है। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के परिणामस्वरूप नहीं हो सकती है।

vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुल उत्पादन में आई गिरावट के कारण उसी अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट प्रदर्शित हुई है।

vii) प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचने की संभावना हो सकती है।

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता नहीं चलता है, तथापि निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है :

- क. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही । कीमत कटौती के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं ने अधिक मात्रा में आयातों का सहारा लिया जिससे घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई ।
- ख. बाजार हिस्से में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और क्षमता उपयोग को नहीं बढ़ा सका ।
- ग. आयातों की पहुंच कीमत से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी । संबद्ध देशों से आयातों द्वारा भारतीय बाजार में कम कीमतों पर बिक्री हो रही है । परिणामतः आयात की कम कीमत से घरेलू उद्योग अपनी कीमत बढ़ाने से वंचित हुआ प्रतीत हुआ प्रतीत होता है ।
- घ. आयातों के कीमत हासकारी प्रभाव के प्रत्यक्ष परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और परिणामतः निवेश पर आय एवं नकद लाभ में गिरावट आई है । इस प्रकार लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में गिरावट बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण आई है ।
- ङ. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में आई पर्याप्त गिरावट बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी की वजह से ही प्रतीत होती है ।

60. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों के कारण हुई है ।

### क्षति मार्जिन की मात्रा

61. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है । क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है :-

उत्पादक	निर्यातक	घरेलू उद्योग की नि.बि.प्रा. (अम.डॉ/मी.ट.)	पहुंच मूल्य (अम.डॉ/मी.ट.)	क्षति मार्जिन (अम.डॉ/मी.ट.)	क्षति मार्जिन (%)
मै. मित्सुई कैमिकल इंक., जापान (एम सी आई )	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसेफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	10-15%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	30-35%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड / मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	20-25%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसेफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***	***	5-10%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	30-35%

## निष्कर्ष

62. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- ग. यह क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है ।

### भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

63. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रूकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं ।

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । अनंतिम पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

### सिफारिशें

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलु के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । निर्धारित पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद तथा संबद्ध देशों के खिलाफ सकारात्मक पाटन और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का अनंतिम निर्धारण करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है ।

66. अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

67. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है ।



**शुल्क तालिका**

क्र.सं.	टैरिफ मद का उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
1.	29141100	एसीटोन	थाईलैंड	थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड	103.97	मी.ट.	अम.डॉ.
2.	वहीं	वही	थाईलैंड	थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड	मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	103.97	मी.ट.	अम.डॉ.
3.	वहीं	वही	थाईलैंड	थाईलैंड	उपर्युक्त क.सं. 1 और 2 से इतर कोई संयोजन		168.28	मी.ट.	अम.डॉ.
4.	वहीं	वही	थाईलैंड	सिंगापुर	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड	मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान एवं मित्सुई एंड कंपनी लि. (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	24.87	मी.ट.	अम.डॉ.
5.	वहीं	वही	थाईलैंड	सिंगापुर	उपर्युक्त क.सं. 4 से इतर कोई संयोजन		168.28	मी.ट.	अम.डॉ.
6.	वहीं	वही	थाईलैंड	सिंगापुर से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	168.28	मी.ट.	अम.डॉ.
7.	वहीं	वही	सिंगापुर, अमरीका, द. अफ्रीका, ई यू, कोरिया गण., ताईवान तथा जापान से इतर कोई अन्य देश	थाईलैंड	कोई	कोई	168.28	मी.ट.	अम.डॉ.
8.	वहीं	वही	जापान	सिंगापुर	मै. मित्सुई केमिकल इंक., जापान	मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान एवं मित्सुई एंड कंपनी लि. (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	89.78	मी.ट.	अम.डॉ.
9.	वहीं	वही	जापान	सिंगापुर	उपर्युक्त क.सं. 8 से इतर कोई संयोजन		195.58	मी.ट.	अम.डॉ.
10.	वहीं	वही	जापान	सिंगापुर से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	195.58	मी.ट.	अम.डॉ.
11.	वहीं	वही	सिंगापुर, अमरीका, द. अफ्रीका, ई यू, कोरिया गण., ताईवान तथा जापान से इतर कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	195.58	मी.ट.	अम.डॉ.

**आगे की प्रक्रिया**

68. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (घ) प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th February, 2010

**Preliminary Findings**

**Sub : Anti-dumping investigations involving imports of Acetone originating in or exported from Japan and Thailand.**

**No. 14/31/2009-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, (hereinafter referred as Rules) 1995 thereof;

**Procedure**

2. The procedure described below has been followed:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai which is supported by M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Acetone (hereinafter referred to as subject goods) originating in or and exported from Japan and Thailand.
- ii. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 3<sup>rd</sup> September 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of phenol originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
- iv. The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 03.09.2009 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries,

importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

v. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.

vi. The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.

vii. The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4).

PTT Phenol Co., Ltd. (PPCL) 123 Suntowers Building B, 36th Floor, Vibhavadi Rangsit Road Chomphon Chatuchak, Bangkok 10900	Chiba Phenol Co. Ltd. Shiodome City Center, 1-5-2, Higashishimbashi, Japan
Mitsubishi Chemical 14-1 Tokyo 108-0014, Japan Shiba 4-chome, Minato-ku,	

viii. In response to the above notification, following exporters/ producers/ have responded to the initiation:

Name of Interested party	Country
PTT Phenol Company Limited, Producer & Exporter	Thailand
Mitsui & Co., Ltd. ("MBK"), Japan, Exporter	Japan
M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Limited, Singapore, Exporter	Singapore
Mitsubishi Chemical Corporation ("MCC")	Japan
Sumitomo Corporation Asia Pte Ltd & Sumitomo Corporation, Exporter	Singapore ; Japan
Mitsui Chemicals, Inc., Producer	Japan

ix. Questionnaire was sent to the following known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods.

M/s. National Organic chemical Industries Ltd. Post Box No. 14, Ghansoli P.O. Thane -Belapur Road, Mumbai - 400701, (Maharashtra) India	M/s. Ranbaxy Laboratories Ltd., Plot No. 90, Sector 32, Gurgaon - 122
M/s. Lanxess India Private Ltd. Kolshet Road, Thane Mumbai-400067, India.	M/s. Crescent Chemsol Pvt. Ltd. Windsor, 2 <sup>nd</sup> Floor, CST Road, Kalina, Santa Cruz (East), Mumbai - 400098, India.

x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and period of investigation.

xii. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting

Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty, lower than the dumping margin, would be sufficient to remove injury to Domestic Industry

xiii. Investigation was carried out for the period starting from 1st Oct 2008 to 30<sup>th</sup> June 2009 (nine months) (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2006-March 2007, April 2007-March 2008, April 2008-March 2009 and the POI.

xiv. \*\*\* in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

### **Product under Consideration**

3. The product under consideration is 'Acetone'.

4. The acetone is organic chemical also known as Dimethyl Ketone and used in the manufacture of bulk pharmaceuticals, agro chemicals, dye stuffs, certain explosives and downstream chemicals. Acetone is classified under Chapter 29 of Custom Tariff Act under the sub-head 29141100.

5. It is a basic organic chemical produced in single grade. It is a colourless liquid. It is used in numerous organic syntheses either as solvent or as an intermediate. Acetone is specifically used in manufacture of Isophorone, Diacetone, Alcohol, Methyl Methacrylate and Bishacetone A. Besides this it is used in manufacture of certain rubber chemicals or Oxy Acethylene Cellulose Acetate and also a solvent in the manufacture of Paints/Coatings. It is marketed in two forms – loose / bulk and packed.

### **Like Article**

6. 'Acetone' manufactured by Domestic Industry is identical to the product under consideration, and is therefore being treated as like article for the purpose of this Investigation.

### **Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation**

7. The petition has been filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and supported by M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited). There are no other known producers of the product in the country. M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd. alone shall constitute "Domestic Industry" for the purpose of the present investigation.

### **Normal Price, Export Price and Dumping Margin**

#### **Normal Value for Japan**

#### **Cooperating Exporters**

#### **Mitsubishi Chemical Corporation**

8. While submitting a response to the Notification the subject producer from Japan has stated that the sales of the company in Japan are to Dia Chemicals, Shell Chemicals, Sumitomo Corporation, Kyowa Hakko Chemical and Mitsui Chemicals. They have further claimed in the response that these sales are either to Subsidiaries, Quarterly Quantity Holders, Other Industry Producer and Swap purchasers, and are based on different commercial considerations. These sales are claimed to be not relevant to the present investigation for the purpose of establishing Normal Value. It has further been claimed that sales in domestic market, which are relevant for

establishing Normal Value has been provided. Further costing information has also not been furnished. Perusal of the response reveals that they have provided one sale transaction made to M/s Mitsui & Co. Ltd. during the month of April 2009 with the delivery terms of FOB, Kobe and payment terms of \*\*\* days after B/L, and claimed the same to be a representative domestic sale for determination of Normal Value. They have further contested the methodology of construction of NV resorted to be the DI while submitting the petition and have questioned that the DI has not made adequate efforts to obtain the NV in respect of the subject responding exporter.

9. The Authority notes that the onus is on the responding exporter to provide all the information, including that related to domestic sales for determination of Normal value and it is for the Authority to decide whether these sales are reasonable and appropriate for determination of NV. The claim of the responding producer / exporter that some of these sales are not relevant and some others are, for determination of NV cannot be taken on its face value. In respect of one transaction to M/s Mitsui & Co. Ltd. during the month of April 2009, the Authority notes that the delivery and payment terms of the transaction clearly shows that the said transaction is also an export transaction.

10. Considering the above factors, the Authority holds the said responding exporter as non-cooperative for provisional determination. However if the said responding producer / exporter wishes to submit the related information subsequent to issue of PF, the Authority will take a view, whether to consider the same for final determination, on receipt of the same.

#### **Mitsui Chemicals Inc., Japan**

11. The Authority observed that the responding exporter has provided transaction-wise details of the domestic sales of the subject goods in their home market. So far as the Normal Value claimed by them in the response is concerned, the same has been claimed to be US\$ \*\*\* per MT. This however, has been worked out by considering sales to affiliated as well as non-affiliated buyers. The information so provided has been relied upon to determine weighted average normal value for the responding exporter, to the extent feasible. Considering that there have been significant changes in the selling price from quarter to quarter, the Normal Value has been worked out individually for each quarter. However, considering that there have been significant changes in the selling price from quarter to quarter, the Normal Value, for provisional determination has been worked out individually for each quarter based on domestic selling prices in order to assess the impact of dumping on the basis of quarterly comparisons for ensuring a fair comparison. Further, considering the fact that the export sales to India are in all the three quarters during the POI, The Normal value for the subject producer has been worked out by taking the weighted average of the quarterly values for POI as a whole. The weighted average Normal Value so determined for provisional determination and subject to subsequent verification, works out to US\$ \*\*\* per MT.

#### **Non-Cooperating Exporters**

12. Considering the fluctuation in input prices during POI, the Normal Value for co-operating exporters has been worked out on a quarterly basis Normal Value adopted for the responding exporter M/S Mitsui Chemical Inc. has been adopted for all other exporters from Japan.

#### **Thailand**

##### **Normal Value for Thailand**

##### **Cooperating Exporters**

##### **PTT Phenol Company Limited, Producer & Exporter**

13. As per the response provided to the Authority, the responding exporter has claimed US\$ \*\*\* per MT as Normal Value. Perusal of the response reveals that the profit making sales in the

home market are reported for quarter April-09-June 09. These sales however, comprise of less than representative volume, as mandated in para 2(i) of Annexure 1 to the anti-dumping rules, for determination of Normal values. In respect of other two quarters of the POI, the sales were found to be loss making sales and normal value. Therefore, the normal value has been worked out based upon the cost of production as provided in the response, plus reasonable profit margin. The Normal value has been determined as per methodology mentioned above. The Normal Value so determined works out to US\$ \*\*\* per MT.

### **Non-Cooperating Exporters**

14. Considering the fluctuation in input prices during POI, the Normal Value for co-operating exporters has been worked out on a quarterly basis. Normal Value adopted for the responding exporter M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand has been adopted for all other exporters from Thailand.

### **Export Price**

#### **Export price for the responding exporters from Japan** **Mitsui Chemicals Inc., Japan**

15. The subject goods produced by M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI) are exported to India through Mitsui & Co., Ltd., Japan ('MBK') and Sumitomo Corporation ('SC').

16. As per response filed with the authority, the subject producer / exporter has claimed Net Export Price to be as US \$ \*\*\* per MT in respect of sales made to affiliate and non-affiliated traders in Japan. In respect of sales, made by their trading Co, Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore, the NEP has been claimed to be US\$ \*\*\* per MT. It is seen that MCI sells its products to MBK and SC on a domestic invoice while MBK and SC exports to India through their affiliates. Mitsui Chemicals Inc., Japan sells on FOB basis to Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK), who arranges logistics and sells to Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore (MAP) on CFR or CIF. MAP in turn sells it to Indian customer. For determination of the weighted average export price to India, the adjustments have been made on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission as claimed by the exporter. Accordingly, the net export price has been determined as under, by excluding sales to Sumitomo as explained here-in-after in Para 18. The export price so determined is as under:

Producer	Exporter	Quantity exported (MT)	Net Export Price (USD/MT)
M/s Mitsui Chemicals Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd. Singapore	***	***

17. M/s Sumitomo Corporation, Japan procures the materials from M/s Mitsui Chemicals Inc., Japan and M/s Mitsubishi Chemicals Corporation, Japan, and sells to M/s Sumitomo Corporation Asia Pte Ltd., Singapore. M/s Sumitomo Corp. Asia Pte. Ltd., Singapore, in their response stated that it has sold \*\*\* MT of Acetone produced from M/s Mitsui Chemicals Inc., Japan to India through M/s Petrochem Middle East FZE, UAE. M/s Petrochem Middle East FZE, UAE have not filed a separate response for the goods exported by it to India. The ultimate export price at which the goods are exported to India by M/s Petrochem Middle East FZE, UAE has therefore not been shared with the Authority. Considering the above factors, the Authority holds that separate export price and dumping margin cannot be determined for M/s Petrochem Middle East FZE, UAE for provisional determination. However if the said responding exporter wishes to submit the related information subsequent to issue of PF, the Authority will take a view, whether

to consider the same for final determination, on receipt of the same. Similarly individual margin in respect of the exports of PUC produced by M/s Mitsubishi Chemicals Corporation, Japan to India made by Sumitomo Corporation Asia Pte Ltd cannot be determined in view of non-availability of the Normal Value in respect of M/s Mitsubishi Chemicals Corporation, Japan as explained in Para 8 to 10 above

### **Export price for Non-cooperating Exporters from Japan**

18. The lowest export price reported by the responding producer/ exporter from Japan has been relied upon to calculate the ex-factory export price for this category of exporters. Adjustments on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission have been made, at par with the adjustments allowed in respect of Co-operating exporters to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as **US\$ \*\*\* PMT.**

### **Export price for the responding exporters from Thailand**

#### **PTT Phenol Company Limited, Thailand**

19. M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand has claimed NEP as US \$ \*\*\* per MT as per the response. It is seen that they have claimed this NEP based upon sales made to Samsung Co Ltd., PTT Public Company Ltd., and Mitsui and Co. Ltd. all based outside India and to Kundan Rice Mills, an India based Importer. However M/S Samsung Co. has not responded to the initiation and their ultimate export price to India is not available. So far as Mitsui and Co is concerned, they have responded to the initiation and the export price in respect of exports made through this un-affiliated Cop has been worked based upon their ultimate export price to India. PTT is exporting the subject goods to India directly as well as through its affiliate M/s PTT Public Company Ltd., Thailand. Since the exporter can easily switchover between direct exports and exports through its affiliate, the Authority has, for provisional determination, which is subject to review if need arises, determined one export price and dumping margin for the exports made by M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand either directly or through its affiliate M/s PTT Public Company Ltd., Thailand. M/s PTT Phenol Company Limited has also exported the subject goods through Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK). MBK has in turn sold to Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore (MAP) and MAP have finally exported the subject goods to India and therefore a separate NEP has been determined for this combination for provisional determination and subject to subsequent verification and revision if warranted.

20. For determination of the weighted average export price to India, the adjustments have been made on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission as claimed by the exporter, which shall be subject to verification. Accordingly, the net export price has been determined as under:

Producer	Exporter	Quantity exported (MT)	Net Export Price (USD/MT)
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***

### **Export price for Non-cooperating Exporters from Thailand**

21. The lowest export price reported by the responding producer/ exporter from Thailand, reported has been relied upon to calculate the ex-factory export price. Adjustments

on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission have been made to arrive at the ex-factory export price at par with those allowed for co-operating exporters. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ \*\*\* PMT.

### **Dumping Margin**

22. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins for exporters from subject countries are determined as per table below;

USS/MT					
Producer	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin(%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	45-50%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	75-80%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	15-20%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	3-8%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	35-40%

23. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de-minimis level.

### **Methodology for Injury Determination and Examination of Causal Link**

#### **Views of the domestic industry**

24. The followings are the views of domestic industry: -

a) The sales of the domestic industry declined significantly by 22% in POI from the base year. The import volumes in absolute term increased vis-à-vis sales of domestic industry declined. Import volumes increased because of availability of the material at dumped prices, due to which sales of domestic industry declined.

b) Profits: - Profitability of the domestic industry has significantly eroded. Even when the domestic industry attempted to maintain its market, the impact of the same was very adverse in terms of profits, which declined significantly from a situation of profits to financial losses. Decline in profitability of the domestic industry is high in POI because net sales realization price of domestic industry is less than cost of production.

c) Productivity: - Productivity of the domestic industry declined. So severe has been the impact of dumping that the domestic industry has been forced to cut production.



- d) Return on capital employed: - The performance of the domestic industry has significant deteriorated from a situation of positive return to negative return. The decline in ROI is a direct consequence of decline in profits.
- e) Output and capacity utilization of the domestic industry declined in spite of the fact that the domestic industry decided to offer sub-optimal prices.
- f) Inventories: - Inventory level of the domestic industry increased. Increase in inventories is in spite of lower prices offered by domestic industry.
- g) Salary & wages: - Salary and wages level with the domestic industry decreased due to low level of production.
- h) Cash Profit: - Deterioration in profits of the domestic industry adversely affected cash profits of the domestic industry, which directly affected cash flow.
- i) Demand and market share: - Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.
- j) Growth: - Growth of the domestic industry in a number of parameters shows negative trend.
- l) Domestic industry has suffered material injury. With increase in volume of imports of the subject good from the subject countries into the Indian market as a result of excess capacity with the Foreign Producers, the domestic industry suffered from loss of sale and loss of market share. This resulted in adverse volume effect. Loss of sale forced the domestic industry to reduce their domestic selling price in order to sell the subject good in the domestic market thus resulting in adverse price effect. Resultantly, domestic Industry faced adverse volume effect and adverse price effect as a result of unfair trade practices of the exporting countries.
- m) Price undercutting is significant. In spite of offering matching prices, there is a positive price difference between the domestic product and imported product.

#### **Views of Responding Producers / Exporters**

25. ELP representing the views of PTT Phenol Co Ltd. Thailand and M/S Mitsui and Company Japan and M/s Mitsui & Co Pte Ltd. Singapore has submitted as under:

- a. The evidence Supplied in the petition does not suggest that there is any material injury suffered and thus no basis for initiation.
- b. Injury analysis can be made only for the period extending from 2005-06 to 2008-09 and not on the revised period extending up to June 2009. The petitioner has taken six months period and then has annualized it distorting the analysis thus distorts the correct picture.
- c. The injury data provided by the petitioner is only for HOCL and not for the supporter. Most of the injury parameters shows positive trend as compared to base year and preceding year
- d. The Indian manufacturers are not able to cater the demand of domestic market which leaves only one option i.e. import of subject goods.
- e. It is to be noted that Korea is a big threat to domestic industry than Japan and Thailand despite the levy of ADD as per the evidences.
- f. There are so many factors other than dumped imports, which cause injury to the domestic industry that needs to analyze
- g. The petitioner has been unable to determine the link between the dumping and the injury.

26. M/s J Sagar and associates, representing Mitsubishi Chemicals Corporation Japan have made following submissions:

- a. The trend of injury parameters does not reflect any significant injury to domestic industry. Moreover, all should be examined by keeping this view that petitioner is a multi product, multi location and multi division company.
- b. The domestic industry along with supporter is not capable to meet demand of India.
- c. The domestic industry had been declared as sick company under BIFR in 2003-04. Thereafter it has received financial supports from government of India. This fact also needs to be considering while assessing injury.
- d. The exporter has added that phenol's price dropped very sharply due to a sudden occurrence of excessive demand and supply imbalance and a large decrease in the raw material price. The price drop happened not only in India but also throughout the world due to worldwide recession.

### **Examination by the Authority**

27. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and the applicable law as follows: Further the Authority had sought data from the supporter, which was however not provided. As regards Injury analysis, the POI has been prescribed by the Authority and therefore for injury analysis the injury during POI has to be considered.

### **Cumulative assessment of injury**

28. Annexure II para (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and
- b. cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

29. The Authority observes that:

- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed above;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market. This is evident from the following:
  - a. The subject goods manufactured by the producers from the subject countries *inter-se* and in comparison to the product manufactured by the domestic industry has comparable properties. In other words, the subject goods supplied from various subject countries and by the domestic industry are inter-se like articles.
  - b. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that there are common parties who are resorting to use of imported material from various sources and domestic material. Imported and domestic materials are, therefore, being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported product and inter-se imported product.

- c. Volume of imports from each of the subject countries is significant.
- d. Consumers make purchase decision on the basis of prices offered by various suppliers.

30. In view of the above, the Authority notes that it is appropriate to, cumulatively assess the effect of imports of the subject goods from Thailand and Japan on the domestically produced like article, in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

31. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

32. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

*"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."*

### **Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry**

33. The Authority collected transaction wise details of imports of subject goods from DGCI&S. The Authority has also collated the volume of exports reported by responding exporters with the volume of imports during the period. The responding exporters from Thailand as well as Japan have reported a lower volume of imports during POI compared to DGCI&S as well as IBIS data source relied upon by the petitioner. Further the imports reported in DGCI&S data source are comparable to those reported in IBIS data source. Therefore Volume analysis has been done based upon DGCI&S data as under.

### **Import Volumes and share of subject country**

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9M)	POI Annualized
Japan	MT	0	0	8398.96	9610	12,813
Thailand	MT	0	0	1913.82	5834.82	7,780
Subject Countries	MT	0	0	10,313	15,445	20,593
Trend	Indexed	0	0	100	200	200
Other country attracting ADD	MT	54,632	63,441	56,402	38,759	51,679
Other countries	MT	5,194	1,585	1,649	3,888	5,184
Total Imports	MT	59,826	65,026	68,364	58,093	77,457
Trend	Indexed	100	109	114	129	129

Market share in Imports	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9M)	POI Annualized
Japan	%	Nil	Nil	12.29%	16.54%	16.54%
Thailand	%	Nil	Nil	2.80%	10.04%	10.04%
Subject Countries	%	Nil	Nil	15.09%	26.59%	26.59%
Other countries attracting ADD	%	91.32%	97.56%	82.50%	66.72%	66.72%
Other countries	%	8.68%	2.44%	2.41%	6.69%	6.69%
Total Imports	%	100%	100%	100%	100%	100%
Production of DI	MT	25,463	26,137	26,544	15,385	20,513
Imports from subject countries	MT	0	0	10313	15445	20593
Imports from subject countries as a percentage of Indian production	%	Nil	Nil	38.85%	100.39%	100.39%

34. For volume analysis, the data provided by the petitioner as well as supporter has been considered. However, for injury determination, the data supplied by the petitioner alone has been considered. In this context the Authority sought the data from the supporter but the same was not provided to the Authority. As per the data shown in the above table:

- Cumulative imports from subject countries have increased significantly in absolute terms and in relation to imports in India.
- Imports from subject countries have increased in relation to production and consumption in India as compared to the base year. Imports from subject countries show a growing trend in relation to production of the domestic industry. The imports from subject countries was NIL in relation to the Indian production in the base year which has gone up significantly in percentage terms to 100.39% in POI

#### Demand, Output and Market shares

Demand, Output & Market share	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9M)	POI Annualized
Domestic industry	MT	25,068	26,615	26,007	14,635	19,513
Trend	Indexed	100	106	104	78	78
Supporter	MT	12,103	12,235	14,542	11,236	14,981
Trend	Indexed	100	101	120	124	124
Imports from subject countries	MT	0	0	10313	15445	20,593
Other country attracting ADD	MT	54,632	63,441	56,402	38,759	51,679
Other countries	MT	5,194	1,585	1,649	3,888	5,184
Total Demand	MT	96,995	103,876	108,913	83,963	111,951
Trend	Indexed	100	107	112	115	115
Market share in demand						
Domestic Industry	%	25.34%	25.62%	23.88%	17.43%	17.43%
Trends	Indexed	100	99	92	67	67
Supporter	%	12.48%	11.78%	13.35%	13.38%	13.38%
Trends	Indexed	100	94	107	107	107

Subject Countries	%	0.00%	0.00%	9.47%	18.39%	18.39%
Other Countries Attracting ADD	%	56.32%	61.07%	51.79%	46.16%	46.16%
Other Countries	%	5.35%	1.53%	1.51%	4.63%	4.63%
Total	%	100%	100%	100%	100%	100%

35. The Authority notes that:

a. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales and all imports from all countries. The Authority notes that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by 15% during POI as compared to base year i.e. 2006-07.

b. The market share of imports from the subject countries have significantly increased, whereas that of the domestic industry has declined over the injury period. The share of domestic industry, which was at 100 (indexed) in 2006-07, declined to 67 (Indexed), during POI. During the same period the share of imports from subject countries, which was NIL in 2006-07, went up to 18.39% during POI. It is noted that imports from subject countries have captured a significant proportion of the growth in demand.

#### **Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry**

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Installed Capacity	MT	24,640	24,640	24,640	18480	24,640
Production	MT	25,463	26,137	26,544	15,385	20,513
Capacity Utilization	%	103%	106%	108%	83%	83%

36. Data of domestic industry on capacity, production and capacity utilization reveals that the capacity of the domestic industry remained unchanged at 24640 MT during the injury period. The production of subject goods that were increasing until 2008-09 declined significantly during POI. As a result, the capacity utilization of domestic industry, which was 103% during 2006-07, increased to 108% in 2008-09 and then declined significantly to 83%

#### **Sales volume of Domestic Industry**

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Sales	MT	25,063	26,615	26,007	14,635	19,513
Trend	Indexed	100	106	104	78	78

37. The above data on the sales of domestic industry shows that there was a fall in the sales during POI to the extent of 22% over the base year and 26% over the previous year 2008-09.

#### **Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

38. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

39. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

**Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

40. The price suppression and depression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Cost of sales	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	135	132	132
Selling Price (NSR)	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	120	107	107

41. It is seen from the above table that the selling prices of domestic industry have not increased in line with the increase in its cost of sales during POI compared to the base year. The trend shows that cost of sales increased by 32% during POI as compared to base year whereas the selling price had increased just by 7% during POI indicating that the domestic industry could not realize the selling price commensurate with the increase in cost of sales, thereby causing significant price suppression. The position was exactly reverse when the comparison is made from Base year 2006-07 with the trends in 2007-08, where the DI has been realizing a higher realization compared to the cost of sales. But this trend has reversed since 2008-09 and in POI when the sales realization has fallen below the cost of sales.

**Price undercutting and underselling effects**

**Price Undercutting**

Producer	Exporter	NSR of DI (Rs./MT)	Landed Value (Rs./MT)	Price Undercutting (Rs./MT)	Price Undercutting (%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	15-20%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	35-40%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	25-30%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	10-15%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	40-45%

42. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been deducted. The landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable basic customs duty to the export / CIF prices from the subject countries, as reported by each responding exporter. For others category, the transaction of export considered for determination of DM for the residual category has been taken into account for determination of Landed Value.

43. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting.

#### Price Underselling

Producer	Exporter	NIP of DI (Rs./MT)	Landed Value (Rs./MT)	Price underselling (Rs./MT)	Price underselling (%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	10-15%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	20-25%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	15-20%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	5-10%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	25-30%

44. For the purpose of price underselling the landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was significant.

#### Examination of other Economic Parameters of Domestic Industry

45. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

#### Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Cost of sales	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	135	132	132
Selling Price (NSR)	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	120	107	107
Profit/Loss	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	43	-19	-19

Profit/Loss before Tax	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	125	45	-15	-15
PBIT	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	51	-6	-6
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	125	45	-14	-14

46. The Authority notes that there has been significant deterioration in the profitability of domestic industry over the injury period. The profitability of the domestic industry improved in 2007-08 over the year 2006-07. The financial position of the company deteriorated thereafter and profits declined considerably during 2007-08 and 2008-09 and suffered losses during POI. The profit of domestic industry on the domestic sales before interest and tax (PBIT) and cash profits also followed the same trend.

#### **Return on investment and ability to raise capital**

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
PBIT	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	51	-6	-6
Net Fixed Assets	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100	100
Working Capital	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	137	106	106
Capital Employed	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	126	104	104
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114	40	-6	-6

47. The Authority notes that the return on capital employed earned by the domestic industry followed the same trend as that of profitability.

#### **Productivity**

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Productivity per employee	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	144	104	104

48. The productivity per employee increased by 4% in POI compared to the base year but in relation to the previous year 2008-09, the decline in POI is significant.



**Employment and wages**

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Employment (Manpower strength)	Nos.	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	72	78	78
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114	133	128	128

49. The employment level declined by 22% during POI from base year. The wages increased by 28% as compared to base year.

**Inventories**

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Opening Stock	Mt	***	***	***	***	***
Closing Stock	Mt	***	***	***	***	***
Average Stock	Mt	***	***	***	***	***
Average Stock in terms of No. of Days' sales	Nos.	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	86	86	286	286

50. The information about the inventory levels of subject goods is contained in the above table. It is seen that the inventory levels for the subject goods have increased significantly in POI as compared to the base year.

**Growth**

51. The growth in production and capacity utilization was positive till 2008-09 and in domestic sales till 2007-08. However, the same deteriorated significantly during the period of investigation even below the base year levels. The domestic industry has shown a negative growth in production and domestic sales in spite of positive growth in demand from base year to POI. The profitability of domestic industry has significantly declined during the POI. The performance of the domestic industry has also deteriorated during the period of investigation in terms of return on investment and cash profit. It is also seen that the domestic industry could not increase its selling price in line with the increase in the cost of sales during POI, thereby causing significant price suppression. Besides, the imports of subject goods are significantly undercutting the prices of the domestic industry. The price underselling was also significant.

**Investment**

52. The authority notes that the domestic industry had not changed the capacity of subject goods from base year to POI. There has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation. No evidence of any plans for further investment has come to the notice of the Authority.

### **Magnitude of Dumping**

53. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

### **Factors affecting prices**

54. It has already been seen in the foregoing paragraphs that imports are undercutting the domestic prices. Comparison of cost of production and selling price of the domestic industry shows that the imports are also suppressing prices of the domestic industry. It was found that the landed value per MT in POI was lower than both the net selling price and non-injurious price of phenol causing price undercutting and price underselling in the Indian market. As a result of price difference between the imported products' price and domestic industry' price, the imports have taken a major share in the growth in Indian demand for the subject goods.

### **Conclusion on injury**

55. The examination of above injury parameters indicates that despite overall growth in demand, both the production and sale of domestic industry declined during POI as compared to the base year. The demand of subject goods has increased by 15% in POI as compared to base year. The domestic sales of the domestic industry have decreased by 22% during the same period. The Authority notes that the domestic industry could not take advantage of increase in demand in the market due to presence of imports from subject countries. The cost of sales increased by 32% whereas sales value increased only by 7%. Consequently, they suffered financial losses (PBIT). In the base year they were making profits and these profits indexed 100 in base year converted into losses indexed (-6) in POI and the return on investment declined from 100 (index) in base year to (-6) (index) in base year. Hence, as compared to base year, the financial performance of domestic industry declined significantly in POI.

56. The examination of the imports of the product and performance of domestic industry clearly shows that the imports of the product under consideration have increased in absolute terms and as also in relation to production and consumption in India. The imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and the effect of the dumped imports was to suppress the prices of the domestic industry in the market. The prices have not increased in proportion to the increase in the cost of production. Further, there has been a significant price under cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India and the effect of such imports is prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, performance of the domestic industry deteriorated from the base year in terms of sales, production, capacity utilization, market share, profits, cash profits & return on investments. Imports are affecting the domestic prices. It is also noted that the production, sales, profits and return on capital employed should have improved as a result of increase in demand. However, the same have instead declined significantly indicating the material injury suffered by the domestic industry as can be seen from the trend from the base year.

57. On the basis of above analysis, the Authority provisionally concludes that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales volumes, capacity utilization, market share, factors effecting prices, profits, return on investment, cash profits, thus collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

**Causal Link and other factors**

58. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was noted that:

i) **Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices**

The imports from other countries, other than the ones attracting anti-dumping duty are negligible and/ or at undumped prices. Therefore, the imports from these other countries do not affect the prices in the domestic market;

ii) **Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

Demand for the subject goods shows a healthy growth during the entire injury investigation period and therefore, the injury to the domestic industry has nothing to do with the lack of demand in the country. The data on consumption and demand does not show any change in the pattern of consumption of the product and has not been a factor causing injury to the domestic industry.

iii) **Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers**

The goods are freely importable. The applicants are the major producers of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has come to the knowledge of the Authority. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by domestic industry. The Authority also notes that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and the imported product is sold to meet the similar applications/ end uses as domestically produced subject goods.

iv) **Development of technology**

On the basis of examination of the records of the petitioner, the Authority provisionally holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

v) **Export performance**

The Authority notes that there are no exports of the domestic industry during the POI. The performance with respect to various Economic indicators has therefore been determined with respect to domestic sales only. Hence, the Authority provisionally holds

that material injury suffered by the domestic industry may not be as a result of the export performance of the domestic industry.

vi). **Productivity of the Domestic Industry**

Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown decline during POI as compared to preceding year because of the decline in total production during the same period.

vii) No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has been brought to the knowledge of Authority.

59. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- a. The landed prices of imports were lower than the selling price of the domestic industry. As a result of price undercutting, the consumers have resorted to higher volume of imports, thus leading to decline in market share of the domestic industry.
- b. Decline in market share has prevented the domestic industry from increasing their production and capacity utilization.
- c. Landed price of imports were undercutting the prices of the domestic industry. The imports from subject countries have caused price underselling in the Indian market. Resultantly, lower import prices appear to have prevented the domestic industry from increasing their prices.
- d. Price Suppression effect of the imports has directly resulted in deterioration in profitability of the domestic industry and consequently the return on investment and cash profits. Thus, the decline in profits, return on investments and cash profits is apparently due to presence of dumped imports in the market.
- e. Significant deterioration in performance of the domestic industry in the period of investigation is apparently due to presence of dumped imports in the market.

60. The Authority has therefore, provisionally concludes that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and article 3.5 of Agreement of Anti- dumping.

**Magnitude of Injury Margin**

61. The Authority has determined non-injurious prices of the subject goods for the domestic industry taking into account cost of production of the domestic industry. The non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows

Producer	Exporter	NIP of DI (USD/MT)	Landed Value (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	10-15%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	30-35%

M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	20-25%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	5-10%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	30-35%

### **Conclusions**

62. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

### **Indian industry's interest & other issues**

63. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.

64. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

### **Recommendations**

65. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

66. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

67. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is

recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

### Duty Table

S.No	Sub Heading of Tariff	Description of Good	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit Measure	Currency
1.	29141100	Acetone	Thailand	Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	103.97	MT.	USD
2.	Do	Do	Thailand	Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Public Company Ltd.	103.97	MT.	USD
3.	Do	Do	Thailand	Thailand	Any combination other than at sr. no. 1 & 2 above		168.28		USD
4.	Do	Do	Thailand	Singapore	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan & Mitsui & Co (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	24.87	MT.	USD
5.	Do	Do	Thailand	Singapore	Any combination other than at Sl. no. 4 above		168.28	MT	USD
6.	Do	Do	Thailand	Any other than Singapore	Any	Any	168.28	MT.	USD
7.	Do	Do	Any other than Singapore, USA, South Africa, EU, Korea RP, Taiwan and Japan	Thailand	Any	Any	168.28	MT.	USD
8.	Do	Do	Japan	Singapore	M/s Mitsui Chemical Inc., Japan	Mitsui & Co. Ltd., Japan & Mitsui & Co (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	89.78	MT.	USD
9.	Do	Do	Japan	Singapore	Any combination other than at Sl. no. 8 above		195.58	MT	USD
10.	Do	Do	Japan	Any other than Singapore	Any	Any	195.58	MT.	USD
11.	Do	Do	Any other than Singapore, USA, South Africa, EU, Korea RP, Taiwan and Thailand	Japan	Any	Any	195.58	MT.	USD

### Further Procedures

68. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority